>

Title: Regarding economic backwardness and resultant problems being faced by the people of Santhal Pargana in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। झारखंड प्रदेश बिहार से अलग होकर बना। अभी माननीय भर्तृहरि महताब जी बोल रहे थे कि उड़ीसा की क्या स्थिति है। हमारे यहां की स्थिति यह है कि वहां पहाड़ है तो पेड़ नहीं है, पेड़ है तो पत्ते नहीं हैं, पानी है तब भी लोग प्यासे हैं, कोयला है, बिजली नहीं है, अस्पताल हैं, लेकिन उसमें डाक्टर नहीं हैं, स्कूल हैं, उसमें विद्यार्थी हैं, लेकिन वहां शिक्षक नहीं हैं, गाड़ी है तो रोड नहीं है। बिहार, वेस्ट बंगाल और बुंदेलखंड को या उड़ीसा को जिस तरह से बीआरजीएफ का पैकेज मिला है, उससे झारखंड महरूम है, खासकर संथाल-परगना महरूम है।

सभापति महोदय, मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से इन्क्लुज़िव डेवलपमेंट के लिए डिमांड है कि वहां जो 40-40 वर्षों से सिंचाई की परियोजनाएं चल रही हैं, पुनासी, बुढ़ई, सुग्गाबथान, सुंदर डेम, गुमानी और तुरई है, इन्हें एआईबीपी में लीजिए। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से जो है, जो रूरल हॉट का डेवलपमेंट होना है, क्योंकि वहां रूरल हॉट काफी है, जगह-जगह पर रूरल हॉट है। मार्केटिंग के लिए रूरल हॉट का उन्नयन कैसे होगा, इसके लिए सरकार को प्रयास करना चाहिए। जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना है, केवल 35 परसेंट प्रधानमंत्री सड़क योजना हमारे इलाके में है, जब कि भारत में 65 परसेंट लोगों के पास इनहेबिटेशन के पास पहुंच चुका है। ये कैसे पहुंचेगा, उसके विकास के लिए सोचना चाहिए। नेशनल हाईवे के दो प्रोजैक्ट हमारे यहां डुमरी टू रामपुर हाट वाया देवघर और देवघर टू साहेबगंज वाया गोड्डा आपके यहां पैंडिंग हैं और साहेबगंज में गंगा पर पुल बनना है, उसको आप कैसे इन्क्लूड करेंगे? इसके अलावा देवघर में एयरपोर्ट का मामला है, वह द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक लिंग है, पांच करोड़ लोग वहां जाते हैं, उसको जवाहर लाल नेहरू अर्बन रिन्युअल मिशन में कैसे इन्क्लूड किया जायेगा, इसके बारे में सोचना चाहिए। वहां से रेल कनैक्टिविटी होनी चाहिए कि कोलकाता हम कैसे जाएंगे, मुम्बई कैसे जाएंगे, हम मद्रास कैसे जाएंगे, कन्याकुमारी कैसे जाएंगे, बाबा विश्वनाथ, बनारस कैसे जाएंगे।

एम्स के जैसा इंस्टीट्यूशन हंसडिहा में संथाल परगना में बनना चाहिए। रेलवे का जो प्रोजैक्ट आपने हंसडिहा गोड्डा एनाउंस किया है, उसका शिलान्यास होना चाहिए। एक नई रेलवे लाइन पीरपैंती–डासीडीह गुजेसिरी का सर्वे हो रहा है, उसको इस बजट में कैसे इन्क्लूड करेंगे, इसके बारे में देखना चाहिए। एन.टी.पी.सी. और कोल इंडिया सी.एस.आर.. नहीं कर रही हैं, उसके लिए पैसा देना चाहिए। अल्ट्रा मैगा पावर प्लांट हुसैनाबाद देवीपुर में होने वाला है, ये सब केन्द्र सरकार के पास पैंडिंग हमारे यहां की योजनाएं हैं। हमारे यहां के 70-75 परसेंट लोग गरीब हैं, इसीलिए यह बात बतानी पड़ रही है। एक अल्ट्रा मैगा पावर प्लांट हुसैनाबाद देवघर में बनने वाला है, उसका किस तरह से शिलान्यास हो, इसके लिए जल्दी करनी चाहिए। हाई कोर्ट की एक बैंच दुमका में होनी चाहिए।...(<u>व्यवधान</u>)

MR. CHAIRMAN : A particular aspect you have to highlight, not all the aspects.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): बी.आर.जी.एफ. का जो 8750 करोड़ रुपये का कम्पोनेंट है, उन्होंने केवल तीन जिलों में दिया है और इसीलिए मेरा लास्ट पाइंट यह है कि इंटीग्रेटिड एक्शन प्लान में दुमका, देवघर, गोड्डा, साहेबगंज और पाकुड जायगड़ा कैसे इन्क्लूड हों, यह सोचना चाहिए। मेरा आपसे यह निवेदन है कि चूंकि उसका बोर्डर बंगलादेश से जुड़ा हुआ है, नेपाल से जुड़ा हुआ है, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि झारखण्ड बचाइये, देश बचाइये।